

## श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

### प्रलिस के लयि:

भारत की पड़ोसी पहले नीति, सागर वजिन, सार्क, भारतीय विकास और आर्थिक सहायता योजना (IDEAS), मतिर शक्ति, SLINEX, समुद्री बचाव समनवय केंद्र, अवैध मतस्यन, हदि महासागर, कच्चातवि द्वीप, अफानासी नकितिनि सीमाउंट, बमिसटेक ।

### मेन्स के लयि :

भारत के सामरिक हतिं और भारत की पड़ोसी प्रथम नीति के लयि भारत-श्रीलंका संबंघों का महत्त्व ।

स्रोत: द हदि

### चर्चा में क्यो?

हाल ही में श्रीलंका के नए राष्ट्रपति वियापार, ऊर्जा और समुद्री सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रति करते हुए अपनी पहली भारत यात्रा पर थे ।

- भारतीय नेताओं के साथ चर्चा में तमलि आकांक्षाओं, आर्थिक सुधार और चीनी प्रभाव का मुकाबला करने पर ज़ोर दया गया, तथा [भारत की पड़ोसी पहले नीति](#) और [सागर वजिन](#) को मज़बूत कया गया ।

### हालया दैरे के परणाम क्या हैं?

- आर्थिक और व्यापार समझौते:** राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान प्रस्तावति आर्थिक और प्रौद्योगिकी सहयोग समझौतों (ETCA) पर भी चर्चा हुई, जसिका उद्देश्य व्यापार संबंघों में सेवाओं और प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना है ।
  - भारत ने भारतीय रुपया (INR)-श्रीलंकाई रुपया (LKR) व्यापार समझौतों को बढ़ावा देने तथा 1,500 श्रीलंकाई सविलि सेवकों के प्रशिक्षण सहति कषमता नरिमाण कार्यक्रम शुरु करने पर सहमति वियक्त की है ।
- ऊर्जा साझेदारी:** भारत ने श्रीलंका की तत्काल ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लयि उसे LNG की आपूर्ति करने पर सहमति वियक्त की, जबकि दोनों देशों ने कषेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के लयि संयुक्त अरब अमीरात के साथ ऊर्जा पाइपलाइन की घोषणा की ।
  - त्रकिमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने के साथ-साथ अपतटीय पवन ऊर्जा और ग्रडि इंटरकनेक्शन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई ।
- बुनयादी ढाँचा और कनेक्टिविटी:** भारत की "पड़ोसी पहले" नीति के तहत नौका सेवाओं की बहाली और कांकेसथुराई बंदरगाह, आवास और डिजिटल बुनयादी ढाँचे का नरितर विकास ।
- कषेत्रीय सुरक्षा सहयोग:** दोनों देश सुरक्षा सहयोग, वशिषकर समुद्री सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने के लयि प्रतबिद्ध हैं ।
- वतितीय सहायता:** खाद्य, ईधन और दवाओं के लयि 4 बलियिन अमेरिकी डॉलर सहति भारत की वतितीय सहायता, संकट के दौरान श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में महत्त्वपूर्ण थी ।
- वैश्विक मंचों पर द्वपिकषीय सहयोग:** श्रीलंका ने ब्रक्सि समूह में शामिल होने के अपने प्रयास में तथा महाद्वीपीय शेलफ की सीमाओं पर संयुक्त राष्ट्र आयोग से संबंघति मामलों में भारत से समर्थन मांगा ।

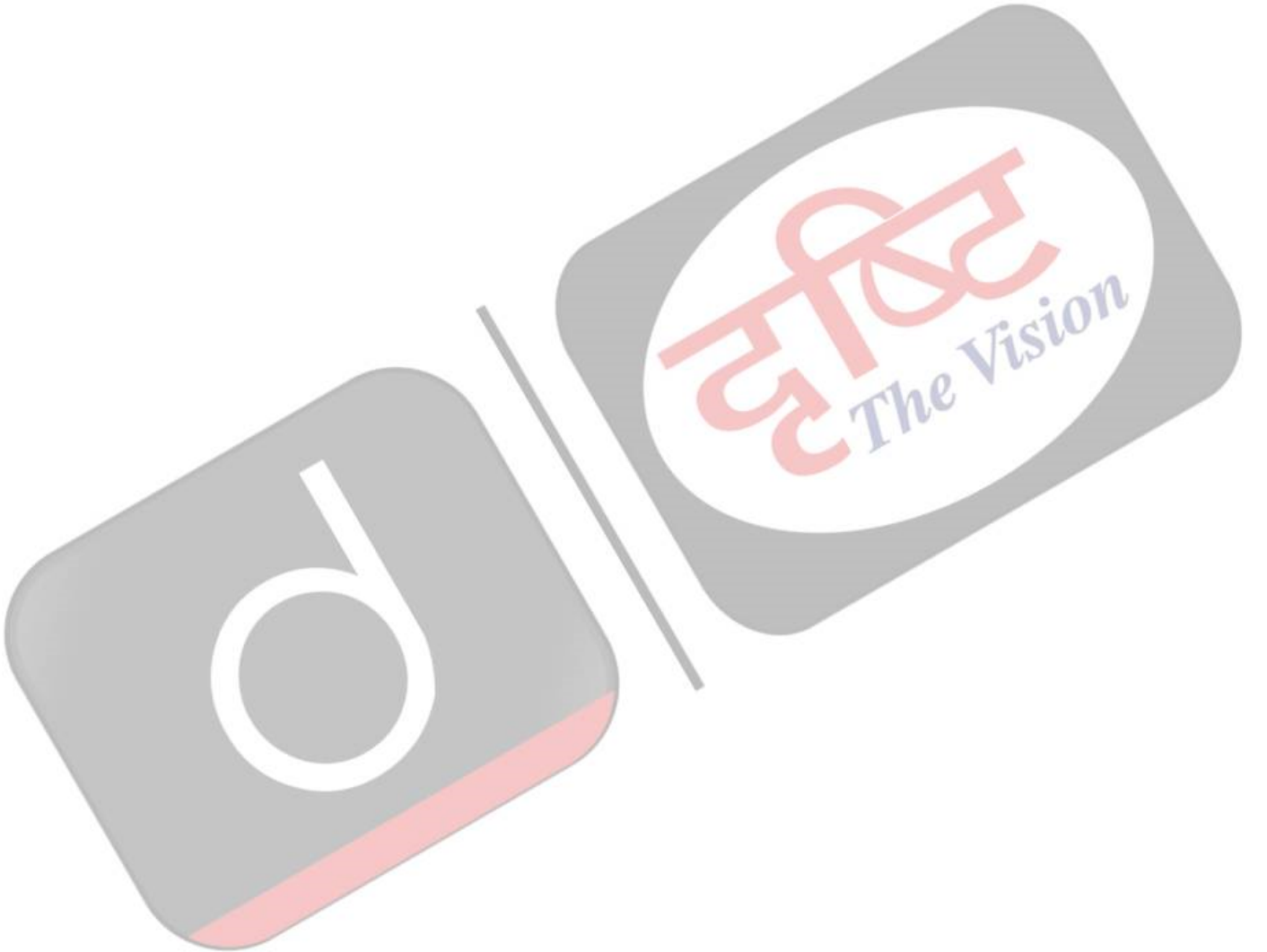
### भारत और श्रीलंका के बीच सहयोग के कषेत्र क्या हैं?

- आर्थिक सहयोग:** भारत SAARC में श्रीलंका का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है, जसिका द्वपिकषीय व्यापार वति वरष 2023-24 में 5.5 बलियिन अमेरिकी डॉलर था ।
  - भारत आवश्यक वस्तुओं का नरियात करता है जबकि श्रीलंका को भारत-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौते से लाभ मलिता है ।
- विकास सहायता:** भारत ने भारतीय विकास और आर्थिक सहायता योजना (IDEAS) के अंतर्गत ऋण सहायता (LOC) के माध्यम से श्रीलंका को विकास सहायता प्रदान की है ।
  - वरष 2023 तक, श्रीलंका को रेलवे, अस्पताल, बुनयादी ढाँचे और वदियुत संचरण जैसे प्रमुख कषेत्रों में सहायता हेतु 2 बलियिन

अमरीकी डॉलर से अधिक की ऋण सहायता (LOC) प्रदान की गई।

- **जाफना सांस्कृतिक केंद्र** और **सुवा सेरिया एम्बुलेंस सेवाओं** जैसी परियोजनाओं सहित भारत की ऋण सहायताओं से श्रीलंका का सामाजिक-आर्थिक ढाँचा सुदृढ़ होता है तथा बुनियादी ढाँचे एवं आजीविका में सुधार होता है।
- **ऊर्जा सहयोग:** जाफना में हाइड्रडि प्रणालियों सहित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं, क्षेत्र में **ऊर्जा सुरक्षा** के लिये भारत के पर्याप्तों को प्रतबिबिति करती हैं।
- **रक्षा एवं सुरक्षा:** रक्षा संबंधों में संयुक्त **सैन्य अभ्यास ( मतिर शकत्ति )** और **नौसैनिक अभ्यास ( SLINEX )** शामिल हैं।
  - **समुद्री बचाव समन्वय केंद्र** की स्थापना श्रीलंका की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने के लिये भारत की प्रतबिद्धता को दर्शाती है।
  - इसके अतिरिक्त, भारत ने **श्रीलंका के आतंकवाद-रोधी** और पर्यावरण **आपदा प्रबंधन** पर्याप्तों का समर्थन किया है।
- **सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान:** दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को छात्रवृत्त कार्यक्रमों, बौद्ध मंदिरों के जीर्णोद्धार और शासन एवं शिक्षा में भारतीय प्रौद्योगिकियों के आदान-प्रदान के माध्यम से मज़बूत किया गया है।
- **समुद्री सहयोग:** हिंद महासागर में स्थायी संसाधन प्रबंधन और **अवैध मत्स्य संग्रहण के बारे में साझा चर्चाओं** से सहयोग को बढ़ावा मिला है।
  - **संयुक्त गश्त** और **सतत् मत्स्य संग्रहण पहल** समुद्री जैवविविधता और आजीविका की रक्षा के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।

//



# सागर (क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा और विकास) विज्ञान

इस पहल को हिंद महासागर क्षेत्र में सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा तथा सतत् विकास को सुनिश्चित करने के क्रम में वर्ष 2015 में शुरू किया गया।

## मूल सिद्धांत

- आपसी विश्वास, समुद्री मानदंडों के प्रति सम्मान, क्षेत्रीय संवेदनशीलता, शांतिपूर्ण विवाद समाधान तथा सहयोग को बढ़ावा देना
- भारत की एक ईस्ट नीति एवं पड़ोसी प्रथम नीति को समर्थन देना

## भारत के लिये हिंद महासागर क्षेत्र का महत्त्व:

- आर्थिक: मात्रा के अनुसार भारत का 95% व्यापार एवं मूल्य के अनुसार 68% व्यापार हिंद महासागर क्षेत्र से होता है
- सामरिक लाभ: प्रमुख समुद्री अवरोध बिंदुओं (जैसे मलक्का जलडमरूमध्य) पर नियंत्रण मिलने से व्यापार सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है
- रक्षा कवच: समुद्री डकैती और खतरों के खिलाफ नौसेना सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है
- क्षेत्रीय प्रभाव: दक्षिण एशिया एवं हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका को मज़बूत करता है

## सागर विज्ञान के अनुरूप भारत की प्रमुख पहल



## भारत और श्रीलंका में सहयोग के समकक्ष चुनौतियाँ क्या हैं?

- **मत्स्य संग्रहण संबंधी विवाद:** श्रीलंकाई जलक्षेत्र तथा अन्य क्षेत्रों में भारतीय मछुआरों द्वारा मत्स्य संग्रहण के उपयोग से तनाव बढ़ गया है, जिसके कारण गरिफ्तारियाँ, दंड तथा द्वपिक्षीय कूटनीति और तटीय समुदायों में संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो गई है।
- **कच्चातीवु द्वीप विवाद:** [कच्चातीवु द्वीप](#) का स्वामित्व और उपयोग अभी भी विवादास्पद है, तथा भारतीयों को वहाँ मत्स्य संग्रहण और यात्रा करने का अधिकार देने वाले समझौतों के कार्यान्वयन पर असहमति के कारण द्वपिक्षीय संबंध तनावपूर्ण हो रहे हैं।
- **राजनीतिक और जातीय मुद्दे:** कुछ राजनीतिक समूहों ने श्रीलंका में तमिल लोगों को भारत की सहायता का वरिध किया है।
  - तमिल बहुल क्षेत्रों को सत्ता हस्तांतरित करने के लिये **13वें संशोधन** को लागू करने में देरी एक लंबे समय से चली आ रही शिकायत रही है।
- **भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता:** श्रीलंका में चीन के बढ़ते प्रभाव से भारत के सामरिक हितों को चुनौती मिल रही है, खासतौर पर [हंबन्टोटा बंदरगाह](#) जैसी बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं में। चीन द्वारा समर्थित परियोजनाओं को भारत क्षेत्रीय सुरक्षा के लिये खतरा मानता है।
- **समुद्री सीमा मुद्दे:** दोनों देश अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रक्रियाओं का उपयोग कर रहे हैं, **अफानासी नकितिनि सीमाअंट** पर संघर्ष अंतरराष्ट्रीय जल में अतवियापी दावों को उजागर करता है तथा कूटनीतिक तनाव उत्पन्न कर सकता है।



आगे की राह:

- **संवाद बढ़ाना:** मत्स्य संग्रहण के अधिकार, तमलि सुलह और समुद्री विवाद जैसे प्रमुख मुद्दों के समाधान हेतु राजनयिक संबंधों को मज़बूत करना महत्त्वपूर्ण है।
  - **बमिस्टेक** जैसे द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मंचों के माध्यम से नियमित वार्ता समाधान के लिये एक मंच प्रदान कर सकती है।
- **आर्थिक एकीकरण:** व्यापार समझौतों और बुनियादी ढाँचों के संबंधों, जैसे नौका सेवाओं और पाइपलाइन परियोजनाओं का विस्तार करने से आर्थिक अंतरनिर्भरता को में वृद्धि होगी।
  - प्रस्तावित **समुद्री ऊर्जा केबल जैसी सहयोगात्मक पहल** साझा लाभ को बढ़ा सकती है।
- **मत्स्य प्रबंधन: संयुक्त पहल, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और मछुआरों के लिये वैकल्पिक आजीविका** के माध्यम से सतत मत्स्य संग्रहण की प्रथाओं को बढ़ावा देने से संघर्ष का समाधान हो सकता है तथा **समुद्री पारस्थितिकी तंत्र** का भी संरक्षण होगा।
  - विवादों को सुलझाने के अलावा, सहकारी परियोजनाओं, क्षमता निर्माण पहलों और मछुआरों के लिये आय के वैकल्पिक स्रोतों के माध्यम से सतत मत्स्य संग्रहण के तरीकों को बढ़ावा देने से समुद्री आवासों को बचाया जा सकेगा।
- **विकास संबंधी सहायता का लाभ उठाना: भारत को नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा और डिजिटल शासन** पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक प्रमुख विकास भागीदार के रूप में अपनी भूमिका जारी रखनी चाहिये।
  - **ग्रीन डेब्ट स्वैप आर्थिक सुधार** को स्थिर लक्ष्यों के साथ संरेखित कर सकता है।
- **भू-राजनीति को संतुलित करना:** भारत को **रणनीतिक नविश और कूटनीतिक पहुँच** के माध्यम से चीनी प्रभाव को संतुलित करना होगा।
  - इससे यह सुनिश्चित होगा कि इसकी सहायता श्रीलंका के **दीर्घकालिक हितों के अनुरूप** हो।

**दृष्टिमुख्य परीक्षा प्रश्न:**

प्रश्न: भारत और श्रीलंका के बीच आर्थिक सहयोग के प्रमुख क्षेत्र और समुद्री सहयोग से संबंधित मुख्य चुनौतियाँ क्या हैं?

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????:**

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2020)

1. पछिले दशक में भारत-श्रीलंका व्यापार मूल्य में लगातार वृद्धि हुई है।
2. "कपड़ा और कपड़े से निर्मित वस्तुएँ" भारत व बांग्लादेश के बीच व्यापार की एक महत्त्वपूर्ण वस्तु है।
3. नेपाल पछिले पाँच वर्षों में दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

**??????:**

प्रश्न. भारत में अत्यधिक विकेंद्रीकृत सूती वस्त्र उद्योग के कारकों का विश्लेषण कीजिये। (2013)